नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

विजन डॉक्यूमेंट-2047 ; क्रियान्वयन पर फोकस हो

मध्यप्रदेश के 70 वें स्थापना दिवस पर जारी विकसित मध्यप्रदेश - 2047 विजन डॉक्यूमेंट राज्य के समग्र विकास का एक अहम रोडमैप साबित होने जा रहा है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश की स्थापना दिवस पर इसे जारी किया. इस विजन डॉक्यूमेंट में अगले 22 वर्षों की योजनाएं और बड़े लक्ष्य स्पष्ट रूप से परिगणित हैं, जो प्रदेश को एक विकसित, आत्मनिर्भर और आर्थिक दृष्टि से समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में मार्गदर्शन करेंगे. इस रोड मैप का सबसे बड़ा आकर्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत - 2047' के राष्ट्रीय लक्ष्यों से इसका गहरा तालमेल है. यह स्पष्ट करता है कि मध्यप्रदेश अपने विकास की गति को केंद्र सरकार की योजनाओं और राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप बनाएगा.

यह दस्तावेज़ केवल सरकारी योजनाओं का संग्रह नहीं, बल्कि प्रदेश के हर नागरिक की आकांक्षाओं और मेहनत का प्रतिबिंब है. विजन डॉक्यूमेंट का केंद्र बिन्दु युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना और औद्योगिक विकास को तेजी देना है. अगले दो दशकों में मध्यप्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में बदलने का लक्ष्य रखा गया है. 1 करोड़ रोजगार सृजन की महत्वाकांक्षा प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ-साथ युवाओं को नई राह दिखाएगी. इसके अलावा, अगले तीन वर्षों में 2 लाख सरकारी नौकरियों का सृजन, युवाओं के लिए स्थायी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा. औद्योगिक क्षेत्रों की संख्या में 100 से अधिक की वृद्धि और प्रमुख एक्सप्रेस-वे कॉरिडोर का निर्माण न केवल उद्योगों को बढ़ावा देगा बल्कि सामान के परिवहन में भी गति लाएगा.

तकनीकी प्रगति और शिक्षा को भी इस विजन में खास स्थान दिया गया है. शत-प्रतिशत साक्षरता का लक्ष्य राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच बढ़ाने का संकेत है, जिससे मानव संसाधन की गुणवत्ता में सुधार होगा. तीन एआई सिटी विकसित करने की योजना डिजिटल युग में मध्यप्रदेश को एक अग्रणी सेवा प्रदाता बनाकर नई तकनीकों को अपनाने वाला राज्य बनाएगी. पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन विकास भी इस रोड मैप का अभिन्न हिस्सा हैं.

ओंकारेश्वर अभयारण्य के विकास से जैव विविधता को संरक्षण मिलेगा और पर्यावरण की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी. यह परियोजना खण्डवा एवं देवास जिलों के प्राकृतिक संसाधनों का संवर्धन करेगी. इसी तरह पर्यटन को बढ़ावा देने से स्थानीय संस्कृति तथा परम्पराओं को भी नया जीवन मिलेगा, जिससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे. दरअसल, विकसित मध्यप्रदेश - 2047 विजन डॉक्यूमेंट एक साझा सपने की तरह है, जो अगले 22 वर्षों में प्रदेश को खुशहाली, समृद्धि और सांस्कृतिक समृद्धि के तीन स्तंभ पर खड़ा करेगा. यह दस्तावेज़ शासन, प्रशासन और जनता के बीच विश्वास बढ़ाने का एक माध्यम भी है. यह केवल एक योजनाबद्ध विकास रोड मैप नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत का प्रतीक है, जिसमें हर नागरिक का भविष्य सुरक्षित और उज्जवल होगा.

इस संकल्प और योजना के सफल क्रियान्वयन से मध्यप्रदेश न केवल राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत करेगा, बल्कि वह देश के आर्थिक और सामाजिक मानचित्र पर एक आदर्श राज्य के रूप में उभरेगा. यह विजन डॉक्यूमेंट प्रदेश के लिए गौरवशाली 70 सालों की यात्रा का एक नया अध्याय है, जो इसे 2047 में एक विकसित और आत्मनिर्भर राज्य बनाएगा. बहरहाल, प्रदेश सरकार का यह प्रयास स्वागत योग्य है, अब सरकार को चाहिए कि इसके क्रियान्वयन पर फोकस करें, जिससे प्रदेशवासियों के सपने हकीकत में बदल सकें.

संघ पर प्रतिबंध की अजीबोगरीब मांग

कृष्णमोहन झा
राजनैतिक विश्लेषक

> छत्तीसगढ़ और झारखंड में नक्सली गतिविधियों में आई कमी को सकारात्मक परिवर्तन बताते हुए सरकार्यवाह ने कहा कि नक्सली अब हथियार छोड़ कर समाज की मुख्य धारा में लौटने के लिए तैयार हो रहे हैं. यह अच्छा संकेत है .मणिपुर में भी हालात अब सुधर रहे हैं और वहां शीघ्र ही अच्छे दिन आने की उम्मीद है. होसबोले ने मणिपुर में पिछले दो वर्षों में संकटपूर्ण परिस्थितियों में संकटपूर्ण परिस्थितियों धरातल पर किए जा रहे कार्यों को सराहनीय बताते हुए कहा कि उससे परस्पर विश्वास का वातावरण निर्मित करने में मदद मिली है. उन्होंने पश्चिम पश्चिम बंगाल में अस्थिरता फैलाने वालों को राजनीतिक प्रश्रय मिलने पर चिंता व्यक्त की और इसे देश के साथ अन्याय निरूपित किया. सरकार्यवाह ने वहां संघ के स्वयंसेवकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी पत्रकारों को दी . सरकार्यवाह ने मतांतरण और घुसपैठ के फलस्वरूप निर्मित हो रही जनसंख्या असंतुलन की स्थिति को चिंता जनक बताते हुए सरकार से शीघ्र ही जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने की मांग की . सरकार्यवाह ने पंजाब में मतांतरण की समस्या को गंभीर बताया और कहा कि संघ देश भर में धर्म जागरण के अभियान में जुटा हुआ है . इसमें धर्मगुरुओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण है .

पिछले कुछ वर्षों से कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरुद्ध जो अभियान चला रखा है उससे संघ को भले ही कोई नुक़सान न हुआ हो लेकिन कांग्रेस आज भी अपने इस एक सूत्रीय कार्यक्रम को विराम देने की आवश्यकता महसूस नहीं कर रही है. दूसरी ओर समाज में संघ के प्रति आकर्षण भी बढ़ा है और अब उसकी देश भर में उसकी स्वीकार्यता भी तेजी से बढ़ रही है लेकिन आश्चर्य की बात तो यह है कि खुद कांग्रेस यह स्वीकार करने के लिए कतई तैयार नहीं है कि उसे संघ के विरुद्ध विषवमन का यह अभियान छोड़ कर अपने जनाधार को बढ़ाने के कोई दूसरे तरीके खोजने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. शायद इसीलिए उसके दिग्गज नेता भी आए दिन संघ के विरुद्ध कोई न कोई बयान देने से परहेज़ नहीं करते.

इसी क्रम में हाल में ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तो बाकायदा संघ को प्रतिबंधित करने की मांग कर डाली और चौतरफा आलोचनाओं में घिर गए. उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि मैं खुले तौर पर कहता हूं कि आर एस एस पर प्रतिबंध लगना चाहिए.साथ ही उन्होंने इसे अपना निजी विचार भी बता दिया. गौरतलब है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में मंत्री और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियंक खड़गे भी पिछले कुछ दिनों से संघ विरोधी बयान देकर सुर्खियां बटोरने में जुटे हुए हैं. मजे की बात तो यह है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में अग्रणी और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदम्बरम के बेटे कार्ति चिदम्बरम ने खड़गे के बयान से असहमति जताते हुए यह कहा है कि संघ पर प्रतिबंध संभव नहीं है.

उधर जबलपुर में संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की त्रिदिवसीय बैठक के समापन के पश्चात् संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने मल्लिकार्जुन खड़गे पर पलटवार करते हुए कहा कि खड़गे को पहले के अनुभव से सीख लेनी चाहिए. इससे पहले भी तीन बार संघ को प्रतिबंधित करने का प्रयास हुआ है.अब चाहे वे चाहें तो फिर से प्रयास कर लें लेकिन पहले ये भी बताएं कि इसकी जरूरत क्या है. होसबोले ने पूछा कि अतीत में जब संघ पर प्रतिबंध लगाया गया तो समाज और न्याय पालिका ने क्या कहा. सरकार्यवाह ने दो टूक लहजे में कहा कि आर एस एस भारत की सुरक्षा, संस्कृति और विकास के लिए कार्य करने वाला संगठन है. किसी भी संगठन पर प्रतिबंध लगाने के लिए कारण होना चाहिए .आर एस एस लगातार समाज और राष्ट्र निर्माण में जुटा हुआ है और जनता ने उसे स्वीकार किया है. संघ सभी पार्टियों का है . संघ के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं. सरकार किसी भी पार्टी की हो हम अपने विचार सबके सामने रखते हैं. आज सरकार में संघ के स्वयं सेवक बैठे हैं इसलिए संघ और भाजपा के बीच अच्छा समन्वय है.यह भी सच है कि संघ में भाजपा के कार्यकर्ता ज्यादा हैं.

संघ की त्रिदिवसीय बैठक में विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर हुए सार्थक विचार विमर्श और उसके पश्चात् पारित प्रस्ताव की जानकारी देने हेतु आयोजित पत्रकार वार्ता में संघ के सरकार्यवाह ने कहा कि युवाओं में नशाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति पर संघ चिंतित है . भारत के युवाओं में राष्ट्रभक्ति, दुनिया से टक्कर लेने का जज्बा और आत्मविश्वास भरपूर है लेकिन नशाखोरी एक समस्या है. इससे युवाओं में बीमारी आ रही है. कालेजों और स्कूलों में ड्रग्स बेची जा रही है. इस पर नियंत्रण के लिए कार्य करना होगा.

मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित प्रश्न के उत्तर में दत्तात्रेय होसबोले ने इसका समर्थन करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य उसे प्रामाणिक बनाना है इसलिए उसका विरोध करने का कोई औचित्य नहीं है. उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को परिष्कृत करना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है. सूची परिष्कृत करने की प्रक्रिया को लेकर यदि कोई आपत्ति है तो उसकी शिकायत चुनाव आयोग से अवश्य की जानी चाहिए.

सरकार्यवाह ने स्पष्ट कहा कि जातिगत जनगणना का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं होना चाहिए इससे समाज टूटता है. जो जातियां पिछड़ी हुई हैं उनके उत्थान के लिए आंकड़े आवश्यक हैं. जातिगत जनगणना का उद्देश्य यही है.

महाकौशल की डायरी

कुलगुरु से नजदीकियों पर क्या भारी पड़ेगी कर्मचारियों की एकजुटता...?

अविनाश दीक्षित

जबलपुर के रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में कर्मचारी संघ अध्यक्ष वीरेंद्र पटैल को पद से हटाने के लिए कर्मचारियों द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर अब आर-पार की लड़ाई शुरू हो चुकी है. इसी गरमा-गरमी के बीच ये भी चर्चाएं तेज हैं कि वर्तमान अध्यक्ष वीरेंद्र पटैल की कुलगुरू से काफी नजदीकियां हैं, ऐसे में कयास लगाये जा रहे हैं कि अध्यक्ष को हटाना कर्मचारियों के लिए आसान नहीं होगा.

गौरतलब है कि पिछले कई दिनों से अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल कर बैठे आरडीयू कर्मचारी संघ उपाध्यक्ष, महासचिव सहित अन्य कर्मचारियों ने कुलगुरू को अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित करके आमसभा बुलाने की अनुमति दिए जाने को लेकर एक पत्र भी सौंपा है. उक्त पत्र में 21 अक्टूबर तक निर्वाचन अधिकारी नियुक्ति किए जाने की मांग की गई थी लेकिन अब दीपावली भी गुजर चुकी है, तय तारीख भी गुजर चुकी है लेकिन एक्शन कुछ नहीं हुआ, जिससे आरडीयू कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त होता जा रहा है. ये भी स्पष्ट है कि निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति बिना कुलगुरू की सहमति के नहीं होगी. लिहाजा यह देखना होगा कि विश्वविद्यालय प्रशासन व कुलगुरु प्रो. राजेश वर्मा कर्मचारियों को किस तरह से संभालते हैं क्योंकि आरडीयू कर्मचारी संघ के वर्तमान अध्यक्ष वीरेंद्र पटैल के खिलाफ काफी कर्मचारी लामबंद हो चुके हैं.

मामला 20 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारी संघ द्वारा सितंबर माह में किए जा रहे आंदोलन से जुड़ा था जिसके बीच कर्मचारी संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र पटैल ने विवि प्रशासन को पत्र सौंप हड़ताल को बीच में ही स्थगित करने का ऐलान कर दिया. बस फिर क्या था, संघ के अन्य कर्मचारियों का कहना था कि अध्यक्ष ने उनसे रायशुमारी नहीं की जिसके बाद कर्मचारियों ने अध्यक्ष का विरोध करना शुरू कर दिया था. ये विरोध इसलिए भी खास बन गया क्योंकि रानीदुर्गावती विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के 57 साल के इतिहास में आज तक किसी अध्यक्ष को हटाने कर्मचारियों ने ऐसा विरोध जताया हो. जानकारों की माने तो आगामी कुछ दिनों में रानीदुर्गावती विश्वविद्यालय जंग का अखाड़ा नजर आने वाला है क्योंकि जो हालात अभी दिखाई दे रहे हैं उससे तो यही नजर आ रहा है. कर्मचारियों ने वर्तमान अध्यक्ष के खिलाफ विश्वासघात का भी आरोप लगाया है.

प्रदर्शन पर सुनना पड़ी खरी-खोटी..

जबलपुर के मनमोहन नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में घटित हुई हृदय-विदारक घटना में नगर कांग्रेस ने कुछ ऐसा कारनामा किया जिसकी चर्चा शहर के साथ भोपाल के दिग्गज कांग्रेसियों के खेमे तक जा पहुंची..हुआ यूं कि 2 सगे मासूम भाईयों की स्वास्थ्य केंद्र के सैप्टिक टैंक में डूबने से हुई मौतों पर पहले तो कांग्रेसियों ने नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल प्रभारी अंशुल शुक्ला को निलंबित किए जाने की मांग को लेकर जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन किया, भीड़ भी जमकर जुटाई गई और सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा पर दबाव बनाते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी अधिकारी अंशुल शुक्ला को हटाने लामबंद हुए. जिसके बाद सीएमएचओ ने आदेश जारी कर अंशुल शुक्ला को सीएमएचओ कार्यालय अटैच कर दिया. इसी बीच नगर कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं के फोन प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों के मोबाइल पर बजे और फिर जो हुआ वो काफी चौंकाने वाला रहा..मोबाइल पर कांग्रेसियों के दिग्गजों ने प्रदर्शनकारी कांग्रेसियों को जमकर फटकार लगाई और कहा कि तुम लोग अपने ही लोगों के खिलाफ मोर्चा क्यों खोल रहे हो, तत्काल प्रदर्शन बंद करो. ये इसलिए क्योंकि मनमोहन नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी अधिकारी अंशुल शुक्ला कांग्रेस ही के पूर्व महापौर के करीबी रिश्तेदार थे. लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और सीएमएचओ ने अंशुल शुक्ला को सीएमएचओ कार्यालय में अटैच कर दिया था. कांग्रेस का शहर में ये पहला ऐसा मौका था जब किसी अधिकारी को हटाने, निलंबित कराने की जिद पर अड़े होने के बाद खुद कांग्रेसियों ने उसी अधिकारी को बचाने सिफारिश की हो और पार्टी के दिग्गजों से खूब खरी-खोटी सुनी भी हो.

ट्रंप ने बंद किया मुफ्त का अनाज-किराना

ट्रंप के वन बिग ब्यूटिफुल बिल एक्ट के पारित होने के पूर्व जुलाई में यह सुविधा 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के अभिभावकों, बुजुर्गों व गृहविहीन लोगों को मिलती थी. ट्रंप प्रशासन इस योजना के लाभ के प्रति आश्वस्त नहीं है. स्नैप को रद्द करने से 2034 तक 187 अरब डॉलर की बचत होगी.

अमेरिका में 1 नवंबर से हजारों परिवारों को मुफ्त में अनाज, किराना व दूध देने का फूड स्टैम्प प्रोग्राम बंद हो जाएगा. इसका आधिकारिक नाम सप्लीमेंटल न्यूट्रीशन असिस्टेंस प्रोग्राम है. अमेरिका के कृषि विभाग ने कहा कि इसके अंतर्गत अब कोई लाभ नहीं दिया जाएगा. स्नैप नामक इस सुविधा के तहत 4 करोड़ अमेरिकी नागरिक सुपर मार्केट व ई-प्लेटफार्म से आवश्यक खाद्य व किराना (सप्लाइज) खरीदते थे. उनका डेबिट कार्ड फिर से परिचालित (रिलोड) कर दिया जाता था. फूड स्टैम्प कार्यक्रम महामंदी के बाद 1939 में शुरू किया गया था. 2008 में इसे %स्नैप% का नाम दिया गया. इसका आधा-आधा खर्च संघीय और राज्य सरकारें उठाया करती थीं. जिन लोगों की कमाई संघीय स्तर पर गरीबी रेखा से नीचे मानी जाती थी, उनके लिए यह सुविधा थी. इसके तहत प्रति व्यक्ति 292 डॉलर प्रतिमाह स्वीकृत किए जाते थे लेकिन 4 लोगों के परिवार के लिए यह रकम 975 डॉलर तय की गई थी. अमेरिकी नागरिकों के अलावा क्यूबा या हैती से आए शरणार्थियों के लिए भी यह प्रोग्राम था. स्थायी नागरिकों के अलावा ग्रीन कार्ड धारक भी यह सुविधा प्राप्त कर सकते थे. ट्रंप के वन बिग ब्यूटिफुल बिल एक्ट के पारित होने के पूर्व जुलाई में यह सुविधा 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के अभिभावकों, बुजुर्गों व गृहविहीन लोगों को मिलती थी. ट्रंप प्रशासन इस योजना के लाभ के प्रति आश्वस्त नहीं है. स्नैप को रद्द करने से 2034 तक 187 अरब डॉलर की बचत होगी. अमेरिकी सरकार के 1 अक्टूबर से जारी शटडाउन की वजह से कांग्रेस (संसद) अतिरिक्त खर्च का कोई विधेयक पारित नहीं कर पा रही है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

दिल्ली की फिजा में घुला है जहर धूल और धुएं से भरा शहर

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, देश की राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण इतना ज्यादा हो गया है कि धुंध और धुएं से आने लगी खांसी, तेजी से बढ़ रही सांस की बीमारी. ऐसे में क्या करे जनता बेचारी !

हमने कहा, ऐसी हालात देखते हुए हमें गजल याद आ रही है- सीने में जलन आंख में तूफान सा क्यों है, इस शहर में हर शख्स परेशान सा क्यों है ! दिल्ली की हवा में सांस लेना दिन भर में 20 सिगरेट पीने के समान फेफड़ों के लिए हानिकारक है. वायु प्रदूषण से छुटकारा दिलाने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकारी खजाने के करोड़ों रुपए खर्च कर हवाई जहाज से बादलों पर सिल्वर नाइट्रेट के कणों की बौछार कर क्लाउड सीडिंग करवाई लेकिन एक बूंद भी पानी नहीं बरसा. बारिश होती तो धूल का सफाया हो जाता. जिन्हें खांसी, ब्रांकाइटिस और अस्थमा है, उन्हें दिल्ली छोड़ देनी चाहिए.

पड़ोसी ने कहा, सुभाषचंद्र बोस ने आजादी की लड़ाई के समय नारा दिया था दिल्ली चलो. आज तो गली का मामूली नेता भी दिल्ली जाना चाहता है. दिल्ली का नाम पहले इंद्रप्रस्थ था. वह

पांडवों की राजधानी था. मुगलों ने भी इसे राजधानी बनाया. अंग्रेज शासक भी 1911 में कलकत्ता से अपनी राजधानी दिल्ली ले आए थे. दिल्ली दिलवालों की है. दिल्ली के लाल किले से सारे प्रधानमंत्री 15 अगस्त को प्यारे देशवासियों के नाम संदेश देते आए हैं. दूसरे शहरों की तुलना में दिल्ली में खाना काफी सस्ता है. आपको दिल्ली की पराठेवाली गली जाकर जायके का सफर शुरू करना चाहिए.

हमने कहा, धुएं, धूल और जहरीली हवा से भरी दिल्ली की इतनी तारीफ मत कीजिए, वहां सांस लेना दूभर हो गया है. घने कोहरे की वजह से वहां विमान सेवा प्रभावित होती है. देखना, ठंड बढ़ने के बाद धुंध की वजह से कितनी फ्लाइट लेट या कैंसल होती हैं. इसलिए दिल्ली-एनसीआर से ज्यादा प्यार मत जताइए. वहां सिर्फ हवा ही नहीं, यमुना का जल भी रसायनयुक्त, फेनदार व प्रदूषित हो चुका है. दिल्ली के बीजेपी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी की छठ पूजा के लिए एक घाट बनवाया जहां गंगा नदी का फिल्टर किया हुआ जल डलवाया लेकिन इतनी तैयारी के बाद भी प्रधानमंत्री वहां नहीं गए.

हमने कहा, छठ पूजा सौभाग्यवती महिलाएं अपने पति के साथ नदी तट पर जाकर करती हैं. वहां पीएम का क्या काम ! जहां तक मौसम की बात है अभी चुनाव के मौसम पर ध्यान दीजिए. रामायण काल में खर-दूषण नामक राक्षक थे जबकि इस समय प्रदूषण जानलेवा बनता जा रहा है. यमुना हो या गंगा, नदी सफाई के नाम पर करोड़ों का घोटाला किया जाता है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12068 -डॉ. सागर खादीवाला

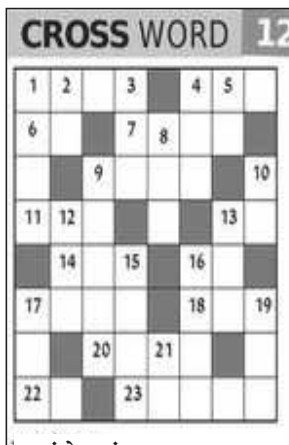

1. गले में पहनने का एक गहना 2. तरल,गला या पिघला हुआ (सं.) 3. नष्ट करना, बर्बाद होना 4. असीम, जिसका अंत न हो 5. ऊंचाई (उर्दू) 8. करधनी 9. घी-तेल आदि का गरम होकर कड़कड़ शब्द करना या होना. 10. प्रसिद्धि, शोहरत, कीर्ति, यश 12. आयुर्वेद के एक प्राचीन आचार्य या उनके द्वारा प्रणीत ग्रंथ (सं.) 13. पृथक, जुदा, भिन्न, दूर 15. मनाने की क्रिया या भाव 16. किसी वस्तु के नीचे के भाग का ऊपर हो जाना, मुड़ना, लौटना 17. हंसी-ठट्ठा, दिल्लगी, ठिठोली (उर्दू) 19. नष्ट हो जाने वाला (सं.) 21. नदी जलाशय आदि के किनारे स्नानादि के लिए बना

बाएं से दाएं
1. चंद्रमा के समान सुंदर मुखवाली (सं.) 4. न करने योग्य, दुष्कर, बिना हाथ का, जिसका महसूल न लगे, करहीन (सं.) 6. चौथाई भाग या अंश 7. गौतम ऋषि के पुत्र का नाम 9. पितृ पक्ष, श्राद्ध 11. सुस्त, आलसी, निकम्मा 13. ज्यादती, अधिकता, बहुत (सं.) 14. धन, धन की राशि (उर्दू) 16. समय का वह विभाग जो चौबीस सेकंड के बराबर होता है 17. इतराना, अकड़ना, अकड़कर चलना 18. लगाव, लौ, विवाह का मुहूर्त 20. नावों के ठहरने का स्थान 22. बिना खिला फूल 23.श्रीकृष्ण (सं.)

ऊपर से नीचे

Solution 12067

इ	मा	म	■	कु	टि	ल	■
मा	ली	■	का	रा	■	ह	वा
ज	■	स	ला	ह	■	र	न
त	क	ली	■	■	छा	■	र
■	द	म	न	■	ल	ता	■
जा	म	■	क	म	■	ला	भ
न	■	क	ल	दा	र	■	य
ना	दा	नी	■	र	जा	ई	■

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यर्थ के वाद विवाद से मन खिन्न रहेगा, भोग विलास में धन व्यय होगा, यात्रा में कष्ट होगा, स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा, वर्ष के मध्य में विदेशी व्यापारियों के लिये समय लाभप्रद रहेगा, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, वर्ष के अन्त में मित्रों के सहयोग से योजनाओं का समाधान होगा, राजनैतिक रूपरेखा बनेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के लिये सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों की मित्रों के सहयोग से नवीन योजनाओं की रूपरेखा बनेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों की यात्रा में कष्ट होगा, मकर और कुंभ राशिके व्यक्तियों को यश मिलेगा,मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को मेहनत अधिक करना होगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को संयम सेकाम लेना हितकर रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को साहस पराक्रम बढ़ेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक साहसी, निडर, महत्वाकांक्षी परिश्रमी एवं कार्यकुशल होगा, बचपन में स्वास्थ्य कुछ नरम गरम रहेगा, बाद में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, माता पिता का विशेष ध्यान रखने वाला होगा, यात्रा का शौकीन होगा, व्यापार करेगा.

मेष- आपके करीबी लोग ही आपको बीच मझधार में छोड़ देंगे, प्रियजनों से भेंटवार्ता होगी, व्यवसायिक संबंधों में लाभ मिलेगा, परिश्रम अधिक रहेगा.

वृषभ- भावनाओं पर काबू रखकर व्यवहारिक निर्णय लें, खानपान पर संयम रखें, कार्य की अधिकता रहेगी, सोचे हुये कार्य बनने का योग है.

मिथुन- कारोबारी विस्तार को लेकर कार्यस्थल पर खीचातानी बनेगी, संतान के स्वास्थ्य की चिन्ता होगी, किसी दूर गये मित्र के संबंध में शुभ समाचार मिलेगा.

कर्क- कहीं दूर जाने का प्रोग्राम बनेगा, साझेदारी कार्य में मनमुआव आ सकता है, आर्थिक प्रयासों में सफलता मिलेगी, पारिवारिक तनाव रहेगा.

सिंह- आपको अधिकारों में कटौती का मलाल होगा, प्रिय सूचना मिलेगी, पड़ोसियों से संबंधों में सुधार होगा, रक्त संबंधियों से सहयोग मिलेगा.

कन्या- मित्रों की सलाह पर अमल करने से राह आसान होगी, सुविधा के सामान पर खर्च संभव, कोर्ट कचहरी आदि के कार्यों में मन मुताबिक सफलता मिलेगी.

तुला- देनदारी के चलते आपसी विवाद बढेगा, पुराने निवेश का लाभ मिलेगा, क्रोध पर नियंत्रण रखकर कार्य करें, खानपान पर संयम रखें.

वृश्चिक- नजदीकी लोगों के कारण परेशानी हो सकती है, अपनी बात मनवाने की कोशिश करें, खास वस्तुओं का संग्रह होगा, पारिवारिक विवाद दूर होगा.

धनु- पुरानी उलझनों को सुलझाने में व्यस्त रहेंगे, धार्मिक कार्यों में मन लगेगा, पारिवारिक विवाद दूर होने से मन प्रसन्न होगा. परिश्रम अधिक होगा.

मकर- रूके हुये कार्य को पूरा करने के लिये किसी की सिफारिश की जरूरत पड़ सकती है, अज्ञात भय तथा चिन्ता दूर होगी, पारिवारिक व्यस्तता रहेगी.

कुम्भ- अनावश्यक विवाद की संभावना है, वाणी पर नियंत्रण रखें, नौकरी संबंधी कार्यों में सावधानी रखें, माता पिता का सहयोग प्राप्त होगा.

मीन- बेहतर अवसर सामने आयेंगे, धैर्यपूर्वक कार्य करें, सम्मान मिलेगा, आकस्मिक खर्च में वृद्धि होगी, दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

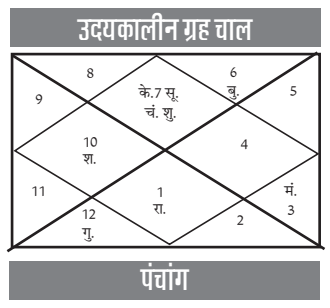

पंचांग

रा.मि. 12 संवत् 2082 कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी चन्द्रवासरे रात 11/37, उत्तराभाद्रपद नक्षत्रे दिन 1/5, हर्षण योगे शाम 6/52, कौलव करणे सू.उ. 6/29, सू.अ. 5/31, चन्द्रचार मीन, पर्व- प्रदोष व्रत, शु.रा. 12,2,3,6,7,10 अ.रा. 1,4,5,8,9,11 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

कार्तिक शुक्ल त्रयोदशी को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ, जौ, चना, मूँग, उड़द, मोठ, सरसों, अरंडी, घी, तेल, के भाव में तेजी होगी, कपास, रूई, सूत, पाट, बारदाना, के भाव में साधारण तेजी होगी. भाग्यांक 1412 है.

SUDOKU 7200

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सन-डोकू 7199

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2